अंक-273 कानपुर, सोमवार 11 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आलू की फसल में झुलसा रोग से किसान रहे सावधान

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के सब्जी अनुभाग के अध्यक्ष डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि इस समय मौसम मे अनुकूलता के आधार पर आलू की फसल में पिछेती झुलसा भविष्य में आने की संभावना है, किसान फसल की निगरानी करते रहे तथा झुलसा के लक्षण दिखने पर तुरंत उसका प्रबंध करें आलू विशेषज्ञ डॉ अजय कुमार यादव ने बताया कि जिन किसान भाइयों ने आलू के फसल में अभी तक फफूंद नाशक दवा का छिड़काव नहीं किया गया है या जिनकी आलू की फसल में अभी पिछेती झुलसा (लेट ब्लाइट) बीमारी प्रकट नहीं हुई है उन सभी किसान भाइयों हेतु यह सुझाव है कि वे मेंकोजेब या प्रोपिनेब फफूंद नाशक दवा का 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से अर्थात 2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव तुरंत करें। साथ ही साथ जिन आलू के खेतों में बीमारी प्रकट हो चुकी है उन में किसी भी फफूंद नाशक जैसे खाईमोक्सेनिल + मेंकोजेब 3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (1000 लीटर पानी में) की दर से अथवा फेमनिडों+मेंकोजेब 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर (1000 लीटर पानी में) की दर से अथवा 1.0 किलोग्राम प्लस मेकैनिज्म 2.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी के दर से छिड़काव करें 10 दिन के अंतर अंतराल पर दोहराये लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर अवधि अंतराल को कम या अधिक किया जा सकता है किसान भाइयों को

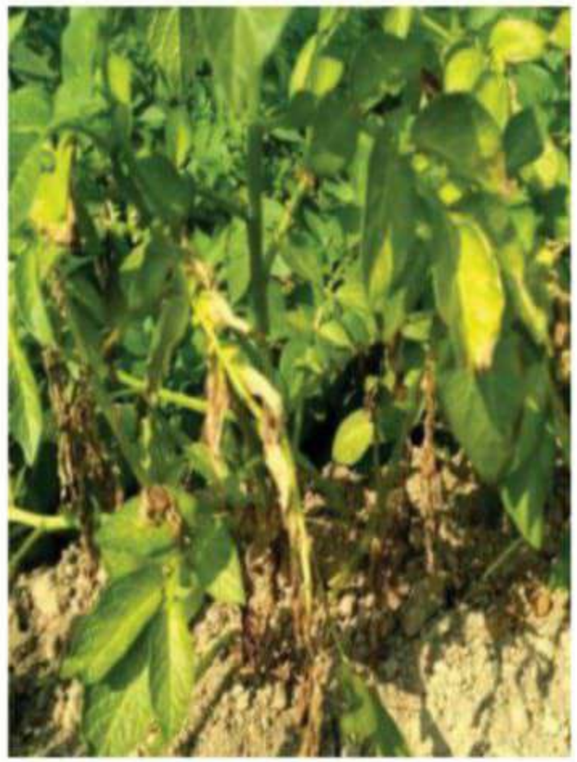

इस बात का भी ख्याल रखना होगा कि एक ही फफूंद नाशक का बार-बार प्रयोग न करें।

ब्रिटिशकालीन पाइप लाइन का हुआ पुनरुद्धार

हिंदुस्तान 11/12/2023

आलू को रोग से बचाने को किया जागरूक

कानपुर। सीएसए कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों को रोगों से फसलों को बचाने के लिए एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए हैं। सब्जी अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राम बटुक सिंह ने फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, बिल्हौर, चौबेपुर, शिवराजपुर, घाटमपुर के किसानों से कहा कि वर्तमान समय में आलू में झुलसा रोग तेजी से लगता है। इसलिए आलू की फसल में निश्चित समय में दवा का छिड़काव जरूर करें।

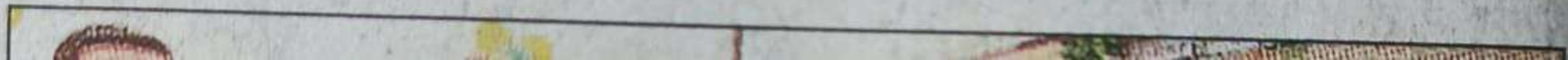

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

कानपुर, सोमवार 11 दिसंबर-2023 पृष्ठ -8 मू

आलू की फसल में झुलसा रोग से किसान रहे सावधान

कानपुर। सीएसए के सब्जी अनुभाग के अध्यक्ष डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि इस समय मौसम मे अनुकूलता के आधार पर आलू की फसल में पिछेती झुलसा भविष्य में आने की संभावना है, किसान फसल की निगरानी करते रहे तथा झुलसा के लक्षण दिखने पर तुरंत उसका प्रबंध करें। आलू विशेषज्ञ डॉ अजय कुमार यादव ने बताया कि जिन किसान भाइयों ने आलू के फसल में अभी तक फफूंद नाशक दवा का छिड़काव नहीं किया गया है या जिनकी आलू की फसल में अभी पिछेती झुलसा (लेट ब्लाइट) बीमारी प्रकट नहीं हुई है